# गोरख चालीसा

॥ दोहा ॥

गणपति गिरजा पुत्र को

सुमिरूँ बारम्बार।

हाथ जोड़ विनती करूँ

शारद नाम आधार॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई ॥

जय जय गोरख नाथ अविनासी,

कृपा करो गुरुदेव प्रकाशी।

जय जय जय गोरख गुण ज्ञानी,

इच्छा रूपी योगी वरदानी।

अलख निरंजन तुम्हरो नामा,

सदा करो भक्तन हित कामा।

नाम तुम्हारा जो कोई गावे,

जन्म जन्म के दुःख मिट जावे।

हिंदीपथ.कॉम

जो कोई गोरख नाम सुनावे,

भूत पिशाच निकट नहीं आवे।

ज्ञान तुम्हारा योग से पावे,

रूप तुम्हारा लख्या न जावे।

निराकार तुम हो निर्वाणी,

महिमा तुम्हारी वेद न जानी।

हिन्दीपथ.कॉम

घट घट के तुम अन्तर्यामी,

सिद्ध चौरासी करें प्रणामी।

भस्म अङ्ग गल नाद विराजे,

जटा शीश अति सुन्दर साजे।

तुम बिन देव और नहीं दूजा,

देव मुनि जन करते पूजा।

चिदानन्द सन्तन हितकारी,

मंगल करण अमंगल हारी।

हिन्दीपथ.कॉम

पूर्ण ब्रह्म सकल घट वासी,

गोरख नाथ सकल प्रकाशी।

गोरख गोरख जो कोई ध्यावे,

ब्रह्म रूप के दर्शन पावे।

शंकर रूप धर डमरू बाजे,

कानन कुण्डल सुन्दर साजे।

नित्यानन्द है नाम तुम्हारा,

असुर मार भक्तन रखवारा।

हिन्दीपथ.कॉम

अति विशाल है रूप तुम्हारा,

सुर नर मुनि जन पावें न पारा।

दीन बन्धु दीनन हितकारी,

हरो पाप हर शरण तुम्हारी।

योग युक्ति में हो प्रकाशा,

सदा करो सन्तन तन वासा।

प्रात:काल ले नाम तुम्हारा,

सिद्धि बढ़े अरु योग प्रचारा।

हिन्दीपथ.कॉम

हठ हठ हठ गोरक्ष हठीले,

मार मार वैरी के कीले।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चल चल चल गोरख विकराला,

दुश्मन मार करो बेहाला।

जय जय जय गोरख अविनाशी,

अपने जन की हरो चौरासी।

अचल अगम है गोरख योगी,

सिद्धि देवो हरो रस भोगी।

काटो मार्ग यम को तुम आई,

तुम बिन मेरा कौन सहाई।

हिन्दीपथ.कॉम

अजर अमर है तुम्हरी देहा,

सनकादिक सब जोरहिं नेहा।

कोटिन रवि सम तेज तुम्हारा,

है प्रसिद्ध जगत उजियारा।

योगी लखे तुम्हारी माया,

पार ब्रह्म से ध्यान लगाया।

हिन्दीपथ.कॉम

ध्यान तुम्हारा जो कोई लावे,

अष्टसिद्धि नव निधि घर पावे।

शिव गोरख है नाम तुम्हारा,

पापी दुष्ट अधम को तारा।

अगम अगोचर निर्भय नाथा,

सदा रहो सन्तन के साथा।

शंकर रूप अवतार तुम्हारा,

गोपीचन्द, भरथरी को तारा।

हिन्दीपथ.कॉम

सुन लीजो प्रभु अरज हमारी,

कृपासिन्धु योगी ब्रह्मचारी।

पूर्ण आस दास की कीजे,

सेवक जान ज्ञान को दीजे।

पतित पावन अधम अधारा,

तिनके हेतु तुम लेत अवतारा।

अलख निरंजन नाम तुम्हारा,

अगम पन्थ जिन योग प्रचारा।

हिन्दीपथ.कॉम

जय जय जय गोरख भगवाना,

सदा करो भक्तन कल्याना।

जय जय जय गोरख अविनासी,

सेवा करें सिद्ध चौरासी।

जो ये पढ़हि गोरख चालीसा,

होय सिद्ध साक्षी जगदीशा।

हाथ जोड़कर ध्यान लगावे,

और श्रद्धा से भेंट चढ़ावे।

हिन्दीपथ.कॉम

बारह पाठ पढ़े नित जोई,

मनोकामना पूर्ण होई।

॥ दोहा ॥

सुने सुनावे प्रेम वश,

पूजे अपने हाथ।

मन इच्छा सब कामना,

पूरे गोरखनाथ॥

अगर अगोचर नाथ तुम,

पारब्रह्म अवतार।

कानन कुण्डल सिर जटा,

अंग विभूति अपार॥

हिंदीपथ.कॉम

सिद्‍ध पुरुष योगेश्वरो,

दो मुझको उपदेश।

हर समय सेवा करूं,

सुबह शाम आदेश॥

हिन्दीपथ.कॉम

# अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

हिंदीपथ.कॉम

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा